समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

अरबपतियों की निजी कंपनियों पर सेबी का शिकंजा, बड़े फैमिली ऑफिसेज अब आएंगे निगरानी मे ं

Publisher

Published on 03 Oct 2025

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) अब उन अरबपतियों की निजी कंपनियों और फैमिली ऑफिसेज पर सख्ती करने की तैयारी में है, जो लगातार शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। यह कदम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि इन फैमिली ऑफिसेज का असर बाजार की चाल पर पड़ने लगा है। देश के कई धनी परिवारों के निवेश इतने बड़े हो चुके हैं कि वे अचानक बाजार को हिला सकते हैं।

सेबी ने इस मुद्दे पर आंतरिक स्तर पर चर्चा शुरू कर दी है और संकेत दिए हैं कि जल्द ही ऐसे फैमिली ऑफिसेज को नियामक दायरे में लाने के लिए नियम बनाए जाएंगे। अभी तक इन ऑफिसेज को लेकर कोई सख्त गाइडलाइन नहीं थी, लेकिन उनकी बढ़ती आर्थिक ताकत को देखते हुए नियामक को यह कदम उठाना पड़ रहा है।

फैमिली ऑफिस असल में ऐसी निजी संस्थाएं होती हैं जो किसी एक अमीर परिवार के निवेश और संपत्ति का प्रबंधन करती हैं। पहले इनका मुख्य काम केवल रियल एस्टेट, शेयर या बिजनेस हिस्सेदारी तक सीमित था। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इन फैमिली ऑफिसेज ने बाजार में अपना वर्चस्व जमाना शुरू कर दिया है। अब इनका निवेश इतना विशाल हो गया है कि कभी भी बाजार की दिशा बदल सकता है।

बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि इन अरबपति परिवारों के निवेश पर निगरानी नहीं रखी गई, तो यह छोटे निवेशकों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। ऐसे निवेश अक्सर अचानक निकल जाते हैं या किसी एक सेक्टर में बड़े पैमाने पर लग जाते हैं, जिससे अस्थिरता बढ़ जाती है। सेबी का उद्देश्य इस असंतुलन को नियंत्रित करना और बाजार की पारदर्शिता बनाए रखना है।

सूत्रों की मानें तो सेबी फैमिली ऑफिसेज के लिए रजिस्ट्री और रिपोर्टिंग की व्यवस्था लागू कर सकता है। यानी अब इन निजी संस्थाओं को अपने निवेश, पूंजी और बाजार में हिस्सेदारी का खुलासा करना होगा। साथ ही, यह भी तय किया जा सकता है कि

किसी विशेष सेक्टर या स्टॉक में वे कितना अधिकतम निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार में कृत्रिम उतार-चढ़ाव की संभावना घटेगी।

पिछले कुछ सालों में भारत के अरबपतियों की संपत्ति तेजी से बढ़ी है। अंबानी, अडानी जैसे बड़े औद्योगिक घरानों से लेकर उभरते हुए कारोबारी परिवारों तक, सभी ने अपने निवेश को मैनेज करने के लिए फैमिली ऑफिसेज बनाए हैं। इन ऑफिसेज के पास अरबों रुपये का फंड मौजूद है। अक्सर यह पैसा किसी खास इंडस्ट्री में केंद्रित हो जाता है, जिससे शेयर कीमतों में अचानक तेजी या गिरावट देखने को मिलती है।

सेबी के इस कदम से बड़े निवेशकों पर नियंत्रण तो आएगा, लेकिन छोटे निवेशकों को सुरक्षा मिलेगी। यदि फैमिली ऑफिसेज की गतिविधियां पारदर्शी होंगी, तो बाजार की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। निवेशकों को यह भरोसा रहेगा कि अचानक होने वाली डील्स या भारी पैमाने पर बिकवाली से उनका पैसा डूबेगा नहीं।

कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि सेबी को इस कदम के साथ संतुलन बनाना होगा। यदि नियम बहुत कठोर हुए, तो यह अरबपति परिवार अपने निवेश विदेशी बाजारों में शिफ्ट कर सकते हैं। ऐसे में भारत के बाजार को नुकसान होगा। लेकिन यदि नियमन केवल पारदर्शिता तक सीमित रहा, तो इसका फायदा सभी को मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी फैमिली ऑफिसेज पर निगरानी की चर्चा पहले से हो रही है। अमेरिका और यूरोप में कई घटनाएं सामने आई हैं, जहां कुछ अरबपति परिवारों ने अपने निवेश से पूरा बाजार हिला दिया। भारत अब उसी दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

कुल मिलाकर, सेबी का यह प्रस्ताव भारतीय शेयर बाजार में स्थिरता लाने के लिए एक अहम कदम साबित हो सकता है। छोटे निवेशकों के लिए यह राहत की खबर है, जबकि बड़े निवेशकों को अपने निवेश पैटर्न को पारदर्शी बनाना होगा। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि सेबी किस तरह के नियम लागू करता है और अरबपति परिवार इस बदलाव पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.